व्याख्यान दिया। इसके बाद हुए प्रेक्टिकल सत्र में डॉ चेतिया ने कई केमइंफार्मेटिक्स उपकरण जैसे ऑटोडॉक विना, फार्मामैपर, खुलने लायक व कुछ सीएडीडी वेब सर्वर आदि की वास्तविक जानकारी दी। प्रशिक्षण समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ।

शाखा प्रयोगशाला, इंफाल ने तीन दिनी तीन दिनी वृहत शैक्षणिक उत्सव का आयोजन किया

सीएसआईआर-निस्ट, शाखा प्रयोगशाला, इंफाल ने मणिपुर के डीएनए क्लब स्कूलों के लिए 24 से 27 मार्च के दौरान 'डीएनए क्लब्स : पूर्वोत्तर के स्कूलों को डीबीटी-टेरी का प्रोत्साहन' परियोजना के अंतर्गत तीन दिनी वृहत उत्सव का आयोजन किया। इस उत्सव के दौरान विभिन्न कार्यक्रम जैसे (i) विज्ञान फिल्म शो (ii) चित्रकला प्रतियोगिता (थीम : जैव संसाधन संरक्षण मणिपुर के संदर्भ में) (iii)कहानी लेखन प्रतियोगिता (थीम : मानव के लिए जैव-विविधता की जरूरत) (iv) वक्तृता प्रतियोगिता (मुद्दा : जैव-विविधता के संरक्षण के मुद्दे) (v) परियोजना रिपोर्ट लेखन (मुद्दा : आपके आस-पास मौजूद जैव-संसाधन) व (vi) तकनीकी व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। लोकतक विकास प्राधिकरण के डॉ. एसएस सिंह और केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल के डॉ. केआई सिंह ने क्रमश: 'लोकतक जलाशय जैव प्रणाली व इसका आर्थिक जैव संसाधन' तथा 'पर्यावरण पर रसायनों/कीटनाशकों का प्रभाव' विषय पर व्याख्यान प्रदान किया।

समापन समारोह में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल के प्रमुख प्रो. एन इबोटोन सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। सीएसआईआर-निस्ट के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. बीजी उन्नी की अध्यक्षता में आयोजित समापन समारोह में प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों के बीच पुरस्कार और प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। शीशे के सामान भी 57 डीएनए क्लब स्कूलों के बीच वितरित किये गये।

संकाय प्रशिक्षण व अभिप्रेरण तथा सीएसआईआर प्रयोगशालाओं द्वारा स्कूलों व कॉलेजों को गोद लेना

क्षेत्र के विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रेरित करने को लेकर शाखा ने 'संकाय प्रशिक्षण व अभिप्रेरण तथा सीएसआईआर प्रयोगशालाओं द्वारा स्कूलों व कॉलेजों को गोद लेने' के अंतर्गत तीन कार्यशालाओं का आयोजन किया।

पहली कार्यशाला : कार्यशाला का आयोजन असम राज्य के बाहर 27 व 28नवंबर 2012 को सेंट मेरी कालेज-शिलांग, सेंट एंथोनी कालेज-शिलांग, शिलांग कालेज-शिलांग, सेंट एडमंड कालेज-शिलांग, सिनोड कालेज-शिलांग और यूसी कालेज-उमियम ख्वान, मेघालय के संकाय सदस्यों (भौतिक व रसायन विषय) के लिए हुई। कार्यशाला में हिस्सा लेने के लिए इन कॉलेजों के प्रिंसिपलों ने 29 रसायन शिक्षकों और 28 भौतिकी शिक्षकों को नामित किया। इनमें से कुल 55 शिक्षकों, रसायन विभाग के 28व भौतिक विज्ञान विभाग के 27 शिक्षकों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कार्यशाला दो तकनीकी सत्रों में दो ग्रुपों रसायन और भौतिक शास्त्र में एक साथ हुई। भौतिकी के व्याख्यानों में डॉ. एस बरूवा, एसपीएस, सीएसआईआर-निस्ट ने भूकंप के स्रोत की प्रक्रिया और एक अध्ययन, प्रो. कल्याणी बरूवा, प्रोफेसर, गौहाटी विश्वविद्यालय के कॉस्मिक किरण पर शोध के सौ वर्ष, प्रो. ए गोहाईं बरूवा, नेहू, शिलांग के अंतरविधा अध्ययन : कुछ उदाहरण, प्रो. पी नोंगकुरिह के एसेसमेंट ऑफ द

(बायें) एचआरडी प्रमुख डॉ. एल. नाथ उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए। मंच पर सीएसआईआर-निस्ट के निदेशक डॉ. पी जी राव (दायें), रिसोर्स पर्सन बैठे हुए तथा प्रतिभागी भी दिख रहे हैं।

रेडियोलाजिकल हेजार्ड्स आफ सैंड सेडीमेंट्स कलेक्टेड फ्राम स्ट्रीम्स एंड स्ट्रीमलेट्स आफ द यूरेनियम डिपोजिट्स इन वेस्ट खासी हिल्स डिस्ट्रिक्ट, मेघालय, भारत, प्रो. अलिका खरे, आईआईटी गुवाहाटी के लेजर स्पेट्रोस्कापी के क्षेत्र में ताजा प्रगति और उपयोग शामिल है। इसी तरह रसायन सत्र के व्याख्यानों में प्रो. एनसी बरूवा, सीएस, सीएसआईआर-निस्ट के ग्रीन केमेस्ट्री, प्रो. एके तालुकदार, गौहाटी विश्वविद्यालय के ए विजिट टू द वर्ल्ड आफ पोरस मेटेरियल्स, डॉ. डीके दत्त, सीएस, सीएसआईआर-निस्ट के नैनोटेक्नालॉजी, प्रो. आरएचडी लिंग्दोह, नेहू, शिलांग के कंप्यूटर के इस्तेमाल के जरिए रसायन की खोज और प्रो. ए चट्टोपाध्याय, आईआईटी गुवाहाटी का एक दिन हर कोई बनेगा केमिस्ट शीर्षक व्याख्यान शामिल है।

दूसरी कार्यशाला : संस्थान द्वारा अपनाये गये एक स्कूल केवी निस्ट, जोरहाट के कक्षा 9 के विद्यार्थियों (विज्ञान शाखा) के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 14 फरवरी 2013 को किया गया। इसमें तीस विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। डॉ. एस बरूवा, एसपीएस, सीएसआईआर-निस्ट ने वैश्विक तापमान और डॉ. एम भुइयां ने कीड़ों की दुनिया शीर्षक दो व्याख्यान प्रदान किये। हरेक व्याख्यान के बाद विषयवस्तु के बारे में और अधिक जानकारी हासिल करने के लिए रिसोर्स पर्सन के साथ चर्चा की। बाद में प्रदर्शन सह प्रशिक्षण के लिए संस्थान में दौरे का आयोजन किया गया।

तीसरी कार्यशाला : तीसरी कार्यशाला नेहू विश्वविद्यालय, शिलांग से मान्यताप्राप्त सेंट मेरी कालेज, सेंट एंथोनी कालेज, शिलांग कालेज, सेंट एडमंडंस कालेज, सिनोड कालेज-शिलांग, यूसी कालेज, लेडी कीने कालेज के संकाय सदस्यों (वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान) के लिए 21 व 22 मार्च, 2013 को सेंट एडमंड्स कालेज, शिलांग में हुई। इन कालेजों के प्रिंसिपलों ने कुल 31 वनस्पति विज्ञान और 29 प्राणी विज्ञान शिक्षकों को कार्यशाला में भाग लेने के लिए नामित किया, जिनमें से 26वनस्पति विज्ञान और 26प्राणी विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वनस्पति और प्राणी विज्ञान के दो तकनीकी सत्रों का आयोजन एक साथ किया गया।

वनस्पति विज्ञान सत्र में डॉ. पीआर भट्टाचार्य, सीएस, सीएसआईआर-निस्ट ने पूर्वोत्तर भारत में औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती का परिप्रेक्ष्य, प्रो. एसके बरठाकुर, गौहाटी विश्वविद्यालय ने बायोलाजिकल नोमेनक्लेचर-बायोकोड एंड फायलोकोड, प्रो. एके मिश्र, नेहू, शिलांग ने जीवन : जन्म,मृत्यु व उत्तराधिकार की मजबूरी, प्रो. पी गोस्वामी, आईआईटी, गुवाहाटी ने एप्लीकेशन आफ इनजाइम्स एंड माइक्रोब्स फार डेवलपिंग बायोसेंसर्स एंड बायोफ्यूल सेल्स, प्रो. एनके चुरुंगू, नेहू, शिलागं ने एनर्जी ट्रांसफार्मेशन इन लिविंग सिस्टम विषय पर व्याख्यान दिया।

प्राणी विज्ञान के सत्र में डॉ. बीजी उन्नी, सीएस, सीएसआईआर-निस्ट ने मालीकुलर एंड फंक्शनल प्रोपर्टीज आफ इन्सेक्ट न्यूरोपेप्टीड्स विथ रेस्पेक्ट टू ग्रोथ एंड डेवलपमेंट आफ इन्सेक्ट, प्रो. यूसी गोस्वामी, गौहाटी विश्वविद्यालय ने ए फ्यू इनिसिएटिव्स इन जेनेरेटिंग इंटरेस्ट,एक्साइटमेंट एंड एक्सेलेंस इन टीचिंग एंड इन्सपाइरिंग स्टूडेंट फार लाइफ साइंस जूलाजी, प्रो. बीबीपी गुप्ता, नेहू, शिलांग ने बायोलाजिकल क्लाक : रोल आफ द पाइनील ग्लैंड, प्रो. आर शर्मा,नेहू, शिलांग ने इंटरवेंशन्स फार हेल्दी एजिंग और प्रो. वीना टंडन, नेहू, शिलांग ने बायोसिस्टेमेटिक : ए मालीकुलर एंड इनसिलिको एप्रोच यूनिफाइंग द क्लासीकल विषय पर व्याख्यान दिया।

आयोजन

शाखा प्रयोगशाला के तकनीकी विस्तारित केंद्र का उद्घाटन

सीएसआईआर-निस्ट सबस्टेशन, इंफाल के विस्तारित तकनीकी केंद्र भवन का उद्घाटन मणिपुर के माननीय राज्यपाल श्री गुरबचन जगत ने 17 नवंबर, 2012 को किया। उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि ने 'सीएसआईआर-निस्ट इन द स्टेट आफ मणिपुर' शीर्षक एक पुस्तिका का विमोचन भी किया। उन्होने सीएसआईआर-निस्ट और सीएसआईआर-सीएलआरआई के संयुक्त तत्वावधान में पारंपरिक डिजाइनों पर आधारित अनूठे उत्पादों की प्रदर्शनी स्टाल का भी दौरा किया। अपने संबोधन में श्री जगत ने जैव-संसाधनों पर आधारित उत्पादों के विकास पर बल दिया तथा सीएसआईआर-निस्ट से मणिपुर के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने डीएनए क्लब्स के अंतर्गत स्कूली शिक्षा कार्यक्रम के तहत सबस्टेशन, इंफाल की विभिन्न गतिविधियों की प्रशंसा भी की।

मुख्य अतिथि द्वारा विस्तारित तकनीकी केन्द्र का उद्घाटन

राष्ट्रीय तकनीक दिवस मनाया गया

सीएसआईआर-निस्ट ने 11 मई, 2012 को राष्ट्रीय तकनीक दिवस मनाया। सीएसआईआर-निस्ट के निदेशक डॉ. पी.जी. राव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्व-भारती शांतिनिकेतन के आईएनएसए फैलो प्रो. समीर भट्टाचार्य ने तकनीक दिवस व्याख्यान प्रदान किया। डॉ. राव ने युवा अनुसंधानकर्ताओं और वैज्ञानिकों से अपने अनुसंधान कार्यों को आगे ले जाने के लिए ज्यादा जोर देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि युवा वैज्ञानिक न सिर्फ तकनीक विकसित करने, शोध कार्यों के प्रकाशन और पेटेंट हासिल करने पर जोर दें, बल्कि देश की अर्थनीति और आम जनता की भलाई के लिए तकनीकों के व्यवसायीकरण पर भी जोर दें।

विश्व-भारती के आईएनएसए फैलो प्रो. समीर भट्टाचार्य तकनीक दिवस व्याख्यान प्रदान करते हुए। मंच पर सीएसआईआर-निस्ट के निदेशक डॉ. पी.जी. राव भी बैठे हुए दिख रहे हैं।

प्रो. समीर भट्टाचार्य ने अपने व्याख्यान के दौरान कुछ महान तकनीकी खोजों और इनके सामाजिक व आर्थिक विकास पर पड़े प्रभाव का जिक्र किया। इस संदर्भ में उन्होंने माइकल फराडे के विद्युत चुंबकीय की शुरूआत और बिजली की खोज के कार्य का उल्लेख किया। उन्होंने विश्व के पहले एंटीबायोटिक पेनीसिलिन विकसित करने के एलेक्जेंडर फ्लेमिंग के कार्य के बारे में भी संक्षेप में बताया। प्रो. भट्टाचार्य ने लघु तकनीकों के क्षेत्र में सीएसआईआर-निस्ट के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन लघु तकनीकों पर आम तौर पर ध्यान नहीं दिया जाता है, लेकिन इनके लघु उद्योगों में व्यवसायीकरण और दोहन की पर्याप्त संभावना है। अपनी बात को खत्म करते हुए उन्होंने वैज्ञानिकों से उत्तर-पूर्व क्षेत्र की अपार संपदा का इस्तेमाल क्षेत्र, लोगों और देश के विकास के लिए करने का आग्रह किया। अपराह्न के 2 से 4 बजे के बीच इस दिन को छात्रों और आम जनता के लिए 'खुले दिन' के रूप में मनाया गया। भारी संख्या में आम जनता ने संस्थान का दौरा किया।

उग्रवाद विरोधी दिवस मनाया गया

विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी सीएसआईआर-निस्ट में 21 मई, 2012 को उग्रवाद विरोधी दिवस मनाया गया। इस मौके पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सभी कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

66वां स्वाधीनता दिवस मनाया गया

सीएसआईआर-निस्ट ने देश का 66वां स्वाधीनता दिवस 15 अगस्त, 2012 को मनाया। सीएसआईआर-निस्ट के प्रभारी वैज्ञानिक डा. आर. सी. बरूवा ने मार्च पास्ट की सलामी ली और राष्ट्रीय झंडा फहराया। डा. बरूवा ने निस्ट सुरक्षा शाखा, केवि-निस्ट के छात्रों और

सीएसआईआर-निस्ट के शोधकर्ताओं के मार्च पास्ट की सलामी भी ली। इस मौके पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डा. बरूवा ने सभी से राष्ट्रीय एकता

और धार्मिक सौहार्द को बनाये रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने की अपील भी की। डा. बरूवा ने वर्ष 2011-2012 के दौरान पत्र के प्रकाशन, पेटेंट हासिल करने, पुरस्कार प्राप्त करने और बाहर से राशि प्राप्त करने के क्षेत्र में संस्थान द्वारा हासिल की गयी उपलब्धियों और गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी।

सीएसआईआर-निस्ट ने राज्य शोक दिवस मनाया

राज्य के अन्य हिस्सों के साथ सीएसआईआर-निस्ट ने असम सरकार के निर्णय के अनुसार स्वाधीनता दिवस (15 अगस्त, 2004) के दिन असम के लखीमपुर जिले के धेमाजी में हुए बम विस्फोट में मारे गये लोगों की स्मृति में 16अगस्त, 2012 को राज्य शोक दिवस मनाया। इस मौके पर सीएसआईआर-निस्ट के पुराने केंटीन भवन में शपथ लेने का एक कार्यक्रम हुआ, जिसमें सीएसआईआर-निस्ट के प्रभारी वैज्ञानिक डा. आर. सी. बरूवा ने कर्मचारियों को शोक दिवस की शपथ दिलायी।

(बायें) प्रभारी निदेशक डा. आर. सी. बरूवा राष्ट्रीय झंडा फहराते हुए। (दायें) डॉ. बरूवा उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए।

सद्भावना दिवस

सीएसआईआर-निस्ट ने देश के अन्य भागों के साथ ही 19 अगस्त, 2012 को सद्भावना दिवस मनाया। यह दिवस हर वर्ष देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती के मौके पर मनाया जाता है। सीएसआईआर-निस्ट के प्रभारी निदेशक डॉ. आरसी बरूवा ने कर्मचारियों को सद्भावना दिवस की शपथ दिलायी।

70वां सीएसआईआर स्थापना दिवस मनाया

सीएसआईआर-निस्ट ने अपने शीर्ष संगठन वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध परिषद (सीएसआईआर) का 70वां स्थापना दिवस 26सितंबर की बजाय 24 सितंबर, 2012 को मनाया। इस मौके पर बेंगलूर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के माइक्रोबायोलॉजी एंड सेल बायोलॉजी विभाग के चेयरमैन प्रो. वी नागराजा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। प्रो. नागराजा ने 'रेस्ट्रिक्शन इंडोनुक्लीएसेस,

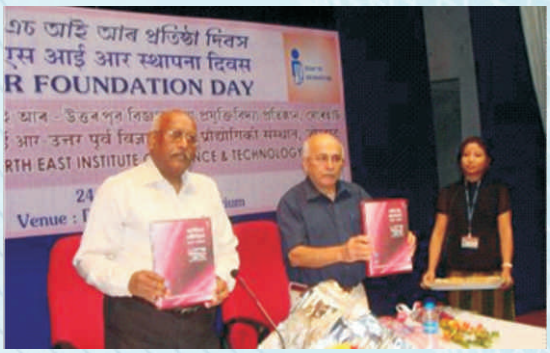

बाये- मंच पर सीसआईआर-निस्ट के निदेशक डॉ. पीजी राव और मुख्य अतिथि आईआईएससी, बेंगलोर के प्रो. वी नागराज (बायें से) दायें- सीएसआईआर-निस्ट के वार्षिक रिपोर्ट 2011-2012 को जारी किये जाने का दृश्य।

टोपोसोमीरासेसे, ट्रांसक्रिप्शन एक्टीवेशन एंड टर्मिनेशन : फोर शार्ट स्टोरिज' शीर्षक व्याख्यान प्रदान किया। उन्होंने मालीकुलर जीव-विज्ञान के क्षेत्र में अपने ग्रुप द्वारा किये गये शोध के नतीजे के आधार पर मालीकुलर बायोलॉजी के भविष्य और शोध की संभावना के बारे में बताया। कार्यक्रम के एक हिस्से के तौर पर वर्ष 2011-2012 के दौरान सेवानिवृत होने वाले और सीएसआईआर में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले सदस्यों को सम्मानित भी किया गया। सीएसआईआर-निस्ट के प्रशासनिक अधिकारी श्री एसके पाल ने खेल के क्षेत्र में वर्ष 2011-2012 में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले निस्ट कर्मचारियों के बच्चों के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की, जिसे जल्द ही प्रदान किया जाएगा। इस मौके पर मेघालय, असम और मिजोरम राज्य के 4 एससी/एसटी छात्रों को संबंधित राज्य बोर्ड द्वारा आयोजित 10वीं की परीक्षा में एससी/एसटी छात्रों के क्षेत्र में शीर्ष पर आने वाले तथा 11वीं कक्षा में विज्ञान पाठ्यक्रम को अपनाने वालों को निदेशक डॉ. राव ने नकद पुरस्कार प्रदान किया। सीएसआईआर-निस्ट के कर्मचारियों के बच्चों के लिए 12वीं की परीक्षा में विज्ञान विषय में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वालों को छात्र अवार्ड डॉ. नागराजा ने प्रदान किया। इस मौके पर डॉ. नागराजा ने संस्थान के वर्ष 2011-2012 के वार्षिक रिपोर्ट को भी जारी किया। सीएसआईआर के स्थापना दिवस समारोह के सिलसिले में आयोजित कहानी, चित्रांकन और क्वीज प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किया गया। स्थापना दिवस का आधा दिन खुले दिवस के रूप में मनाया गया और जोरहाट शहर तथा इसके समीपवर्ती इलाकों के विभिन्न स्कूलों के करीब 400 विद्यार्थियों ने संस्थान का दौरा किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

सीएसआईआर-निस्ट ने 29 अक्तूबर से 3 नवंबर 2012 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। सप्ताह का शुभारंभ 29 अक्तूबर, 2012 को शपथ ग्रहम समारोह से हुआ। सीएसआईआर-निस्ट के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. आरसी बरूवा ने संस्थान के सभी कर्मचारियों को शपथ दिलायी। सप्ताह के दौरान जीवन के हर क्षेत्र में निगरानी रखने के महत्व और सभी प्रकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के महत्व को दर्शाते हुए संस्थान के विभिन्न हिस्सों में बैनरों/पोस्टरों की प्रदर्शनी भी लगायी गयी। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह 5 नवंबर, 2012 को सीएसआईआर-निस्ट के निदेशक डॉ. पीजी राव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें देरगांव स्थित पुलिस प्रशिक्षण कालेज के प्रिंसिपल तथा आईपीएस अधिकारी श्री टीपी सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। श्री सिंह ने कहा कि 'सतर्कता' का मतलब 'सरकारी कार्रवाईयों में पारदर्शिता' है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के मूल कारणों में सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी प्रणाली का घालमेल, बहुर्राष्ट्रीय कंपनियों द्वारा संचालित राष्ट्रीय नीति, अशिक्षा, गरीबी आदि हैं। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार को रोकने तथा सरकारी संगठनों में पारदर्शिता लाने में 'सूचना का अधिकार' काफी महत्वपूर्ण है। श्री सिंह ने यह भी कहा कि निष्पक्ष मीडिया आज की जरूरत है। डॉ. राव ने अपना संबोधन देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार का मतलब सिर्फ राशि का घोटाला नहीं है। कई कार्रवाइयां ऐसी होती हैं, जिनमें मंशा तो सही रहती है पर इसे वास्तव रूप देने में देरी से भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, देरगांव के प्रिंसिपल व आईपीएस अधिकारी श्री टीपी सिंह अपने विचार प्रकट करते हुए। मंच पर सीएसआईआर-निस्ट के निदेशक डॉ. पीजी राव और जाने-माने वैज्ञानिक डॉ. आरसी बरूवा (क्रमशः दायें से) भी बैठे हुए दिख रहे हैं।

सीएसआईआर-निस्ट ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

सीएसआईआर-निस्ट ने 28फरवरी, 2013 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएसआईआर-निस्ट के प्रभारी निदेशक डॉ. आरसी बरूवा ने की, जिसमें भारत सरकार के भू-विज्ञान मंत्रालय, नयी दिल्ली के निदेशक व नीति निर्धारक (आर एंड डी) डॉ. प्रबीर जी दस्तीदार ने मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लेते हुए 'एनालटीकल फ्रेमवर्क फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन स्टडीज विथ एक्जाम्पल्स फ्राम सम सब्जेक्ट स्पेशिएलिटिज' विषय पर विज्ञान दिवस व्याख्यान प्रदान किया। डॉ. दस्तीदार ने आर्थिक प्रगति और विकास के विभिन्न क्षेत्रों में भारत की दृष्टि और इसकी नीतियों के बारे में बताया। डॉ. दस्तीदार ने भारतीय उपमहाद्वीप में वर्तमान आविष्कारों, उदाहरण के तौर पर जीरो और डेसीमल प्रणाली के आविष्कार, तीन प्राचीन

सभ्यताओं (सिंधु घाटी सभ्यता) में से एक के भारत में होने, औषधि, नृत्य, कला, चित्रकारी आदि में पारंपरिक जानकारी आदि के बारे में भी संक्षेप में जानकारी दी। डॉ. दस्तीदार ने अपने व्याख्यान में विभिन्न मुद्दों जैसे विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीयकरण, विज्ञान व तकनीक बनाम भारत के लिए खाद्य सुरक्षा, हाल के वर्षों में भारत में विज्ञान व तकनीक नीति का विकास, प्रतियोगात्मक खुफिया ढांचा व इसकी इकाईयां आदि का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्र की प्रगति में विज्ञान मुख्य आधार है और शोध व विकास कार्यों को वाणिज्यिक प्रक्रिया से जोड़ा जाना चाहिए। इसके अलावा डॉ. दस्तीदार ने प्रकाशन, शोध के विकास, आर्थिक जानकारी सूचकांक, जीडीपी आदि के क्षेत्र में विकसित और विकासशील देशों के बीच भारत की स्थिति का आभास भी दिया। इस दौरान उन्होंने एक महत्वपूर्ण बात बतायी कि भारत में विज्ञान एजेंसियों और विश्वविद्यालयों ने अपने संबंधित आईपीआर के संचालन के लिए कानून वर्ष 2010 में विकसित कर लिये हैं। कार्यक्रम के हिस्से के तौर पर प्रयोगशाला को विद्यार्थियों व आम जनता के दौरे के लिए 'खुले दिवस' के रूप में घोषित किया गया। जोरहाट जिले व इसके समीपवर्ती इलाकों के करीब 300 विद्यार्थियों ने संस्थान का दौरा किया।

सीएसआईआर-निस्ट शाखा प्रयोगशाला, इंफाल ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

सीएसआईआर-निस्ट शाखा प्रयोगशाला, इंफाल ने 28फरवरी, 2013 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 'डीएनए क्लब्स : पूर्वोत्तर के स्कूलों को डीबीटी-टेरी का प्रोत्साहन' के बैनर तले मनाया। इस मौके पर कक्षा दस तक के विद्यार्थियों के बीच क्वीज प्रतियोगिता डीएनए क्लब के 5 फायनलिस्ट स्कूलों के बीच हुई, जबकि चित्रांकन प्रतियोगिया मणिपुर के अन्य स्कूलों के लिए खुली थी। चित्रांकन प्रतियोगिया का विषय 'जैव-विविधता' थी। मुख्य अतिथि व विधायक श्री एल नंदकुमार सिंह, सम्मानित अतिथि व विधायक श्री के श्याम और अध्यक्ष डॉ. बीजी उन्नी ने सभी विजेताओं को साइकिल और प्रमाण-पत्र प्रदान किया। विज्ञान दिवस व्याख्यान मणिपुर विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के प्रो. एन राजमुहोन ने प्रदान किया।

प्रदर्शनी

उत्तर पूर्व स्नातक कांग्रेस

सीएसआईआर-निस्ट ने विज्ञान व तकनीक विश्वविद्यालय, मेघालय (यूएसटीएम) और सीएसआईआर-निस्ट द्वारा संयुक्त रूप से यूएसटीएम के परिसर में 29 व 30 मई 2012 को आयोजित पहले उत्तर पूर्व स्नातक कांग्रेस केविज्ञान व तकनीक प्रदर्शनी में हिस्सा लिया। प्रदर्शनी में सीएसआईआर-निस्ट की तकनीकों पर आधारिक बैनरों, पोस्टरों, वाणिज्यिक नमूनों, प्रकाशन सामग्री और सीएसआईआर-निस्ट पर बने फिल्मों का वीडियो दिखाकर संस्थान की गतिविधियों और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी स्टॉल का कांग्रेस में हिस्सा ले रहे 500 से ज्यादा विद्यार्थियों ने दौरा किया।

अंतर्राष्ट्रीय कायर टेक एक्सपो 2012

भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के अधीनस्थ कायर बोर्ड के आग्रह पर सीएसआईआर-निस्ट ने 12 से 16अगस्त, 2012 के दौरान मरीन ड्राइव, कोच्चि, केरल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कायर टेक एक्सपो में हिस्सा लिया। एनएसआईसी, एनआरडीसी, टीईआरआई, राजीव गांधी जैव तकनीक केंद्र, एनआईओ गोवा, मौलाना आजाद राष्ट्रीय तकनीक संस्थान-भोपाल के साथ इस आयोजन के सहयोगी के तौर पर और जानकारी सहयोगी केरल राज्य विज्ञान, तकनीक व पर्यावरण परिषद के साथ सीएसआईआर-निस्ट ने इस वृहत आयोजन में हिस्सा लिया और नारियल के रेशे के क्षेत्र में अपनी गतिविधियों और विकसित तकनीकों का प्रदर्शन किया। उद्यमियों, उद्योग जगत के लोगों, नारियल उत्पादकों, नारियल रेशा आपूर्तिकर्ताओं और निर्यातकों के साथ ही करीब 1000 दर्शकों ने सीएसआईआर-निस्ट के स्टाल का दौरा किया और सीएसआईआर-निस्ट द्वारा एलडीपीई के साथ पालीमर, प्राकृतिक रेसिन, सेलुलोज एसेटेट, कचरा पालीथिन आदि का इस्तेमाल करते हुए विकसित की गयी तकनीकों को अपनाने की इच्छा जतायी।

वैज्ञानिक डॉ. दिपुल कलिता (बायें) सीएसआईआर-निस्ट के स्टॉल में आये दर्शकों से बातचीत करते हुए।

एग्री टेक इंडिया 2012

सीएसआईआर-उत्तर पूर्व विज्ञान व तकनीक संस्थान, जोरहाट ने मीडिया टुडे प्राइवेट लि. द्वारा 25 से 27 अगस्त, 2012 के दौरान पैलेस ग्राउंड, गायत्री विहार, बेंगलुरू में आयोजित एग्री टेक इंडिया 2012 में हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि तथा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री एच. डी. देवेगौड़ा ने 25 अगस्त को इस एक्सपो का उद्घाटन किया। एग्री टेक इंडिया 2012 कृषि, फार्म उपकरण, दुग्धपालन, अंडापालन, पशुधन उपकरण और कृषि प्रसंस्करण तकनीक पर दक्षिण भारत की सबसे बड़ी प्रदर्शनी है। सीएसआईआर-निस्ट ने इस वृहत् आयोजन में अन्य सहयोगी प्रयोगशालाओं जैसे सीएसआईआर-सीआईएमएपी लखनऊ, सीएसआईआर-सीएफटीआरआई मैसूर, सीएसआईआर-सीएमईआरआई दुर्गापुर, सीएसआईआर-एनबीआरआई लखनऊ, सीएसआईआर नयी दिल्ली आदि के साथ सीएसआईआर पैवेलियन के

पूर्व प्रधानमंत्री श्री एच. डी. देवेगौड़ा एक्सपो का उद्घाटन करते हुए।

कनिष्ठ वैज्ञानिक श्रीमती प्रमिला मजुमदार सीएसआईआर-निस्ट के स्टाल में दर्शकों से बातचीत करती हुई।

अंतर्गत हिस्सा लिया और कृषि के क्षेत्र में जैसे केले के रेशे निकालने, मशरूम खेती और उन्नत अनाज भंडारण टंकी के बारे में अपनी जानकारी और विकसित की गयी तकनीकों को प्रदर्शित किया। देश के विभिन्न राज्यों जैसे आंध्रप्रदेश, उड़ीसा, कर्णाटक, तमिलनाडु, केरल, पंजाब, महाराष्ट्र, कोलकाता, पांडिचेरी, राजस्थान के साथ ही पड़ोसी देश नेपाल और थाइलैंड के वर्तमान और संभावित कृषि उद्यमियों, उद्योग जगत के लोगों, किसानों, गैर सरकारी संगठनों, छात्रों, शोधकर्ताओं और व्यावसायिक सलाहकारों समेत करीब 1500 दर्शकों ने सीएसआईआर-निस्ट के स्टाल का दौरा किया। दर्शक सीएसआईआर के पास उपलब्ध विभिन्न प्रकार की तकनीक और जानकारी से काफी प्रभावित हुए और इनमें से अधिकांश ने सीएसआईआर-निस्ट की जानकारी खासकर केले के रेशे निकालने की प्रक्रिया तथा मशरूम तकनीक को हासिल करने में रूचि दिखायी।

कृषि एक्सपो सह किसान मेला-2012

सीएसआईआर-निस्ट शाखा प्रयोगशाला, ईटानगर ने 12 से 14 दिसंबर, 2012 के दौरान आयोजित कृषि एक्सपो सह किसान मेला 2012 में हिस्सा लिया। एक्सपो का आयोजन अरूणाचल प्रदेश सरकार के कृषि विभाग, बागवानी, एएच व पशुपालन तथा मत्स्यपालन विभाग ने आईजी पार्क ईटानगर में किया था। इस प्रदर्शनी में अरूणाचल प्रदेश राज्य में सीएसआईआर-निस्ट की गतिविधियों को पोस्टर, बैनर आदि के जरिए प्रदर्शित किया गया। इस मेले में 20,000 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया तथा प्रदर्शनी स्टाल का दौरा किया। दर्शकों ने राज्य में शाखा प्रयोगशाला के कार्यों, खासकर मशरूम उत्पादन की जानकारी प्रदान करके तथा वर्मीकंपोस्ट के उत्पादन के जरिए सामाजिक विकास को सराहा।

श्री चंदन तामुली, वैज्ञानिक प्रभारी, बीएलआई (दायें से तीसरे) आगंतुकों के साथ।

उपलब्धियां

पीएचडी प्रदान

	शोध फैलो का नाम	इकाई/क्षेत्र	पीएचडी थीसिस का शीर्षक	विश्वविद्यालय	वर्ष	मार्गदर्शक का नाम
1.	डॉ. जूली गोगोई	बायोटेक्नालाजी	स्टडी ऑफ बायोकेमिकल एंड रिलेटेड पैरामीटर्स ऑफ सम कोलमाइन वास्टलैंड टोलेरेंट प्लांट स्पेसिज एंड एसेसमेंट आफ देयर फाइटोमेडिएशन इफिकेसी	गौहाटी	मई, 2012	डॉ. एचपी डेका बरूवा
2.	डॉ. इरोम मनोज सिन्हा	बायोटेक्नालाजी	मालीकुलर केरेक्टेराइजेशन आफ पोटेंट फाइटोपेथोजेनिक फंगल स्ट्रेन्स आफ एक फ्यू वेजीटेबल क्राप्स एंड बायोफुंगीसिडल इवालुएशन आफ सम मेडिसिनल प्लांट्स आफ नार्थ ईस्ट इंडिया	गौहाटी	मई, 2012	डॉ. बीजी उन्नी
3.	डॉ. मीनाक्षी भट्टाचार्य	बायोटेक्नालाजी	एनवायरमेंटल एंड मालीकुलर स्टडीज आफ रिस्क फैक्टर्स आप लंग फंक्शंस आफ ह्यूमन पापुलेशन सराउंडिंग ओपेन-कास्ट कोल माइन्स आफ लीडो, असम	गौहाटी	सितंबर, 2012	डॉ. बीजी उन्नी
4.	डॉ. रूपम शर्मा	चिकित्सा रसायन	सिंथेसिस आफ नेवेल पाइरीमिडीने डेरिएटिव्स एंड स्टडीज आन सम न्यू सिंथेटिक मेथड्स	डिब्रुगढ़	अक्तूबर, 2012	डॉ. डी प्रजापति
5.	डॉ. द्विपेन काकती	प्राकृतिक रसायन उत्पाद	स्टडीज आन न्यू सिंथेटिक स्ट्रेटेजिज टूवार्ड्स द सिंथेसिस आफ सम नोवल बायोएक्टिव चालकोन एंड डेरिएटिव्स	डिब्रुगढ़	अक्तूबर, 2012	डॉ. एनसी बरूवा
6.	डॉ. बिबेक ज्योति बोरा	सामग्री विज्ञान	सिंथेसिस, केरेक्टेराइजेशन एंज रिक्टीविटिज आफ सर्पोटेड मेटल नैनोपार्टिकल्स एंड नोवल मेटल कांप्लेक्सेस	डिब्रुगढ़	अक्तूबर, 2012	डॉ. डीके दत्त
7.	डॉ. एम स्टालिन जोसेफ	प्राकृतिक रसायन उत्पादन	स्टडीज आन द कार्बन-कार्बन बोंड फार्मेशन विहेवियर आफ बायलिसहिलिमन एडक्टस विथ द फ्री रेडिकल्स जेनेरेटेड फ्राम एसीलडेरिएटिव्स आफ एन-हाइड्रोक्सी-2-थियोपाइरीडोन	डिब्रुगढ़	अक्तूबर, 2012	डॉ. एनसी बरूवा

8.	डॉ. विश्वज्योति देब	सामग्री विज्ञान	सिंथेसिस आफ रोडियम, इरिडियम एंड रयूथेनियम कांप्लेक्सेस आफ फंक्शनाइलाइज्ड फोसफिन डोनर्स लिगांड्स एंड देयर केटेलिस्टिक एप्लीकेशंस	डिब्रुगढ़	अक्तूबर, 2012	डॉ. डीके दत्त
9.	डॉ. मोहम्मद अब्दुल्ला अबो इलीनिन मबरोक गड	बायोटेक्नालाजी	मालीकुलर केरेक्टाइजेशन आफ पोटेंट फाइटोपेथोजेनिक फंगल स्ट्रेन्स एंड देयर बायोकंट्रोल थ्रू प्लांट ग्रोथ प्रोमोटिंग रिजोबेक्टीरिया	गौहाटी	अक्तूबर, 2012	प्रो. मानब डेका जीयू
10.	डॉ. नारायण पाठक	बायोटेक्नालाजी	इवालुएशन आफ सम कोल माइन ओबी स्ट्रेस टोलेरेंट प्लांट फार फिजिको-बायोकेमिकल पैरामीटर्स एंड एसेसमेंट फार इको रेस्टोरेशन आर कोलमाइन पोल्यूटेड लैंड	गौहाटी	दिसंबर, 2012	डॉ. एचपी डेका बरूवा
11.	डॉ. प्रणब बरकाकती	रसायन अभियांत्रिकी	एडसोर्पिटव सेपेरेशन आफ सर्टेन फार्मास्यूटिकली इंपारटेंट प्लांट प्रोडक्ट्स फ्राम एक्वोस सोल्यूशन : इक्विलिब्रियम काइनेटिक्स एंज कालम डाइनामिक स्टडीज	गौहाटी	दिसंबर, 2012	डॉ. पीजी राव
12.	डॉ. प्रशांत कुमार बरदलै	प्राकृतिक उत्पाद रसायन	सम इंवेस्टिगेशंस इन सर्च आफ पोटेंसियल बायोएक्टिव मालीकूल्स आफ नेचुरल एंज सिंथेटिक आरिजिन	डिब्रुगढ़	मार्च, 2013	डॉ. एमजे बरदलै
13.	डॉ. श्यामली गोगोई	चिकित्सा रसायन	सिंथेसिस आफ सम नोवल स्टेरोइडल टीचरोसाइकल्स एंड देयर रिलेटिव सिस्टम	डिब्रुगढ़	मार्च, 2013	डॉ. आरसी बरूवा